Tectona grandis (सांगवान)

Tectona grandis, popularly known as teak, is a tropical hardwood tree species in the family Lamiaceae. It is a large, deciduous tree that occurs in mixed hardwood forests. Tectona grandis has small, fragrant white flowers arranged in dense clusters at the end of the branches. These flowers contain both types of reproductive organs.

Benefits:

• The essence of teak (inner black part) helps to reduce inflammation (relieving swelling), pain relief, poisoning and burning.

•The juice of the leaves increases the blood. The oil of teak seeds is Kesya (hair enhancer) and Kandudhna (itching erase).

•Teak Nityasya Kapha is used in biliary disorders. The seeds are given in Vata disease.

सांगवान द्विबीजपत्री पौधा है। यह चिरहरित यानि वर्ष भर हरा-भरा रहने वाला पौधा है। सागौन का वृक्ष प्रायः 80 से 100 फुट लम्बा होता है। इसका वृक्ष काष्ठीय होता है। इसकी लकड़ी हल्की, मजबूत और काफी समय तक चलनेवाली होती है। इसके पत्ते काफी बड़े होते हैं। फूल उभयलिंगी और सम्पूर्ण होते हैं। सागौन का वानस्पतिक नाम टेक्टोना ग्रैंडिस (Tectona grandis) यह बहुमूल्य इमारती लकड़ी है।

<u>लाभ:</u>

- पत्तों का रस खून को बढ़ाता है। सागौन के बीज का तेल केश्य (बाल बढ़ाने वाला) और कंदुधन (खुजली मिटाने वाला) है।
- सांगवान नियास्य कफ पित्त विकारों में प्रयोग किया जाता है। बीज वात रोग में दिया जाता है।
- सांगवान की छाल पित्त, पीथमखान और कर्मघन है। यह गर्भ धारण करने में सहयोगी होता है।

THANK YOU FOR READING

LINK TO FEEDBACK-https://forms.gle/MDHEPTxcFshWAsTi6